>

Title: Need to include the ancient 'Vikramshila University' at Bhagalpur, Bihar in Buddhist Circle.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर) : अध्यक्ष महोदय, आठवीं नौवीं शताब्दी में पाल वंश के शासक राजा धर्मपाल द्वारा स्थापित **विक्रमशिला** विश्वविद्यालय विश्व के सबसे प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय के रूप में भागलपुर के कहलगांव में स्थित है। पुरातत्व विभाग की अनदेखी के कारण इस प्राचीन धरोहर का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की ओर से संरक्षित यह ऐतिहासिक धरोहर विश्व की सबसे बड़े पुरातत्व स्मारक के रूप में स्थापित है। 1960 में पटना विश्वविद्यालय द्वारा एवं उसके बाद भारत सरकार के पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा इस स्थल पर किये गये शोध एवं खुदाई से बौद्ध मठ एवं उससे संबंधित अन्य स्थल होने के प्रमाण मिले। 116 एकड़ में फैला यह विश्वविद्यालय विश्व का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय था, जिसमें 108 शिक्षक होते थे और विश्वविद्यालय में छः गेट थे। यह विश्व का प्राचीन तथा प्रथम बौद्ध विश्वविद्यालय था। इस विश्वविद्यालय के पहले प्रमुख बौद्ध गुरू गुप्त थे इनके बाद दिपांकर श्री ज्ञान इसके प्रमुख बने, जो बाद में तिब्बत के राजा के निमंत्रण पर तिब्बत गये थे और आतिसा के रूप में प्रसिद्ध हुए। वह तिब्बत के लामा स्तूप के संस्थापक थे। बौद्ध क्षेत्र (कॉरिडोर) के साथ जोड़ दिया जाये तो इसकी महत्ता बढ़ जाएगी तथा शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं पर्यटकों को काफी लाभ मिलेगा। विक्रमशिला के उत्थान से न सिर्फ भारत के शोधार्थियों को बल्कि एशिया के अन्य देशों के साथ साथ पूरे विश्व में बौद्ध धर्म के अनुयायियों को लाभ होगा साथ ही यह देश में पर्यटन को बढ़ावा देकर विदेशी मुद्रा अर्जित करने में भी सहायक होगा।